

गायत्री नगर की घटना से सनसनी, बीएसएफ जवान की पत्नी की मौत पारिवारिक विवाद ने लिया खूनी मोड़: रिटायर्ड पुलिसकर्मी ने बहू की पीट-पीटकर हत्या की

हरिभूमि न्यूज ►► सागर

शहर के मकरोनिया थाना क्षेत्र अंतर्गत गायत्री नगर में मंगलवार सुबह पारिवारिक विवाद ने खूनी रूप ले लिया। 65 वर्षीय सेवानिवृत्त पुलिसकर्मी ने अपनी 36 वर्षीय बहू सविता दीक्षित की कथित रूप से पीट-पीटकर हत्या कर दी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा और आरोपी ससुर रामनरेश दीक्षित को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। मृतका सविता दीक्षित के पति देवेश दीक्षित सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) में जवान हैं और वर्तमान में पश्चिम बंगाल में पदस्थ हैं। घटना की सूचना उन्हें दे दी गई है। सविता अपने सास-ससुर के साथ गायत्री नगर स्थित मकान में रह रही थीं।

पड़ोसियों ने सुनी चीखें पुलिस पहुंची मौके पर

मकरोनिया थाना प्रभारी नितिन पाल ने बताया कि सुबह घर से चीखने-चिल्लाने की आवाजें आने पर पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची तो आरोपी घर के भीतर ही मौजूद मिला। प्रारंभिक जांच में मृतका के



शरीर पर सात से आठ गंभीर चोटों के निशान पाए गए हैं। घटनास्थल से फॉरेंसिक टीम ने महत्वपूर्ण साक्ष्य भी जुटाए हैं। आरोपी का दूसरा बेटा पुलिस विभाग में पदस्थ बताया जा रहा है। आरोपी का दावा- पोती को बचाने के दौरान हुआ विवाद

पुलिस पूछताछ में आरोपी रामनरेश दीक्षित ने दावा किया कि मंगलवार सुबह बहू ने घर में रखे मंदिर को उठाकर फेंक दिया और कुर्सियों में भी तोड़फोड़ की। इसके बाद वह बड़ी बेटी को स्कूल छोड़ने चली गई। आरोपी

के अनुसार, जब वह स्नान कर पूजा कर रहे थे, तभी बहू लौटकर आई और छोटी बच्चों को उठाकर पटकने लगी। उसे बचाने के लिए बीच-बचाव करने पहुंचे तो बहू ने उन पर चाकू से हमला कर दिया, जिससे उनके हाथ में चोट आई। उनका कहना है कि चाकू छीनने के बाद दोनों के बीच मारपीट हुई, जिसमें बहू गंभीर रूप से घायल हो गई और उसकी मौत हो गई। आरोपी ने यह भी आरोप लगाया कि बहू के घर आने के बाद से परिवार में लगातार विवाद होते रहे और मोहल्ले के लोग भी इन

झगड़ों से परिचित थे।

पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद होगी स्थिति स्पष्ट

पुलिस का कहना है कि महिला की मौत का वास्तविक कारण पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद स्पष्ट होगा। फिलहाल आरोपी के बयान, फॉरेंसिक साक्ष्यों और अन्य परिस्थितियन्त्र तथ्यों के आधार पर जांच जारी है। पुलिस सभी पहलुओं की गंभीरता से पड़ताल कर रही है और जांच के निष्कर्षों के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

खबर संक्षेप

आपकी महापौर आपके द्वार एवं चौपाल शिविर

आज सागर। महापौर संगीता तिवारी के निर्देश अनुसार आपकी महापौर आपके द्वार अंतर्गत जनचैपाल शिविर 05 अगस्त बुधवार को प्रातः 11 बजे से रामपुरा एवं इतवारी वार्ड के नागरिकों की समस्याओं के निराकरण हेतु रामपुरा वार्ड स्थित यादव चक्की के पास छत्रसाल अखाड़ा परिसर में आयोजित किया गया है। नगर निगम प्रशासन ने इतवारी एवं रामपुरा वार्ड के नागरिकों से अनुरोध किया है कि जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने एवं समस्याओं के निराकरण हेतु शिविर में उपस्थित हों।

एमपीपीएससी मुख्य परीक्षा हेतु अनिल पारे परीवेक्षक नियुक्त सागर। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा म.प्र. राज्य सेवा मुख्य परीक्षा 2025 का आयोजन 8 अगस्त से 13 अगस्त को प्रातः 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक जिला मुख्यालय के एक परीक्षा केन्द्र पर किया जा रहा है। आयोग ने परीक्षा की व्यवस्थाओं, प्रक्रियात्मक, निष्पक्षता एवं नागरिकों में उसके प्रति विश्वास बनाये रखने के लिए अनिल पारे से.नि. जिला न्यायाधीश को सागर संभाग के संपादनीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया है।



जनसुनवाई में हुई 270 आवेदनों पर कार्रवाई सागर। कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में आज 270 आम लोगों की समस्याओं को सुना गया और अधिकारियों को तत्परता से आमजन की समस्याओं के निराकरण के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर कलेक्टर प्रतिभा पाल, जिला पंचायत मुख् कार्यपालन अधिकारी विवेक केवी सहित अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद थे। राज्य शासन के निर्देश पर आमजन की समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए प्रत्येक सप्ताह मंगलवार को जनसुनवाई आयोजित की जाती है। इसी कड़ी में आज कलेक्ट्रेट में जनसुनवाई हुई। जिले के 270 आवेदकों के प्रकरणों में सुनवाई कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की गई।

किसानों से आखिर क्यों रूठ गए भगवान ?

राघवेन्द्र दुबे ►► सागर

सरकारों से तो किसान की उम्मीद कब की टूट चुकी थी। अब लगता है कि भगवान ने भी उससे मुंह मोड़ लिया है। हर सुबह किसान की गिगाह सबसे पहले आसमान पर जाती है। बादलों का एक टुकड़ा दिखाई दे जाए तो चेहरे पर उम्मीद लौट आती है, लेकिन कुछ ही देर में सूरज उस उम्मीद को भी निगल जाता है। सूखी धरती की दरारें अब केवल खेतों में नहीं, किसान के दिल में भी उतर चुकी हैं। वह रोज आसमान की ओर देखा है, हाथ जोड़ता है, प्रार्थना करता है, लेकिन बादल जैसे उसकी पुकार सुनने को तैयार ही नहीं। कभी कहा जाता था कि किसान का साथी भगवान है। सरकारें आएंगी-जाएंगी, अफसर बदलेंगे, नीतियां बदलेंगी, लेकिन भगवान उसकी मेहनत को कभी व्यर्थ नहीं जाने देगा। आज वही किसान सोचने को मजबूर है - क्या भगवान भी किसानों की मदद करते-करते थक गए हैं? या फिर इस देश के अन्नदाता की पुकार अब स्वर्ग तक पहुंचनी बंद हो गई है? सरकारें वर्षों से किसानों की आय दोगुनी करने के दावे करती रहीं। मंचों पर तालियां बजती रहीं, विज्ञापनों में मुस्कुराते किसान दिखाई देते रहे, लेकिन जमीन पर किसान की जिंदगी हर साल और कठिन होती चली गई। योजनाओं का अंबार खड़ा हो गया, मगर राहत का रास्ता और लंबा हो गया। पिछले वर्ष गेहूं बेचने की कहानी ही देख लीजिए। पहले फार्मर आईडी बनवाओ। फिर पंजीयन कराओ। फिर स्लॉट बुक करो। सर्वर डाउन है तो इंतजार करो। स्लॉट मिला तो सोसायटी के बारह तपती धूप में घंटों लाइन में खड़े रहो। कई जगह बिना चढ़ावे के तौल तक नहीं हुई। किसी तरह अनाज बिक

गया तो भुगतान के लिए बैंकों के चक्कर लगाओ। वहां बताया गया कि नकदी नहीं है, दस-दस हजार रुपये करके ले जाओ। जिस किसान के घर बेटी की शादी हो, जिसकी किस्त भरनी हो या इलाज कराना हो, वह किससे कहे कि उसकी मजबूरी भी किसी पोर्टल पर अपलोड कर दी जाए? मुसीबत यहीं खत्म नहीं हुई। नई फसल की तैयारी शुरू हुई तो खाद के लिए फिर नई परीक्षा। पहले ई-टोकन लो, फिर स्लॉट बुक करो, फिर लाइन में लगो। और जब नंबर आए तो कई जगह खाद के साथ दूसरी बोतलें खरीदने की मजबूरी भी झेलो। किसान ने यह भी सह लिया, क्योंकि उसे पता है कि बहस करने से खेत नहीं बचेंगे। वह हर बार हारकर भी हार नहीं मानता। कर्ज लेकर बीज खरीदता है। उधार लेकर खाद लाता है। बच्चों की फीस रोक देता है, घर की जरूरतें टाल देता है, लेकिन खेत नहीं छोड़ता। क्योंकि उसे विश्वास होता है कि इस बार मेहनत रंग लाएगी। लेकिन जब प्रकृति भी रूठ जाए और व्यवस्था भी, तब किसान आखिर किसके दरवाजे जाए? जिस किसान ने देश का पेट भरने की जिम्मेदारी उठाई, आज वही अपने भविष्य को लेकर सबसे ज्यादा असुरक्षित है। शहरों में बरिश ट्रैफिक जाम की खबर बनती है, लेकिन गांवों में बारिश न होना जीवन और मौत का सवाल होता है। सूखी मिट्टी केवल फसल नहीं मारती, वह उम्मीद भी मार देती है। सवाल यह नहीं है कि बारिश क्यों नहीं हुई। सवाल यह है कि किसान हर मोर्चे पर अकेला क्यों खड़ा है? यदि अन्नदाता की आंखों से भरोसा खत्म हो गया, तो केवल खेत ही बंजर नहीं होंगे, इस देश की संवेदनाएं भी बंजर हो जाएंगी।

ब्लॉक स्तर के शिविरों के पूर्व करें शत प्रतिशत शिकायतों का निराकरण : कमिश्नर सुचारी

हरिभूमि न्यूज ►► सागर

कमिश्नर सागर संभाग अनिल सुचारी ने कहा है कि मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान की शुरुआत में 7 अगस्त को संभाग के हर जिले के एक विकासखंड में जनता की शिकायतों के निराकरण के लिए जन संवाद सागर शिविर आयोजित होगा। सागर जिले के सागर, छतरपुर के राजनगर, दमोह के जबरा, टीकमगढ़ के लिधौराखास, पन्ना के अजयगढ़ और निवाड़ी के पृथ्वीपुर विकासखंड में शिविर आयोजित किया जाएगा। इन शिविरों के आयोजन के पूर्व शत प्रतिशत शिकायतों का निराकरण करना सुनिश्चित करें। कमिश्नर श्री सुचारी कमिश्नर कार्यालय में मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान को सफल बनाने के लिए लोक शिक्षण, उच्च शिक्षा, आदिवासी विकास, आबकारी, पेंशन, सामाजिक न्याय, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, उद्योग विभाग सहित अन्य विभागों की लंबित शिकायतों की समीक्षा कर रहे थे। कमिश्नर ने कहा कि अभियान की समीक्षा मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव स्तर से की जाएगी। उन्होंने कहा कि संबंधित विभागों के अधिकारी लंबित सभी शिकायतों की जानकारी देखकर 7 अगस्त के पूर्व निराकरण करना सुनिश्चित करें। शिकायतों की निराकरण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने निर्देश दिए की सीएम हेल्पलाइन, जनसुनवाई और लोक सेवा गारंटी अधिनियम के प्रकरण लंबित न रहे। कमिश्नर सुचारी ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जिले की स्थानीय

आवश्यकताओं के अनुसार प्रत्येक विकासखंड को इकाई मानते हुए भ्रमण कार्यक्रम का रोस्टर तैयार करें। जहां संभव हो क्लस्टर स्तर तक भ्रमण किया जाए। भ्रमण से पूर्व व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करें। जन-संवाद के दौरान प्राप्त आवेदनों को विधिवत दर्ज कर आगामी भ्रमण के पूर्व निराकृत किया जाए। संबंधित विभागों के अधिकारी निरीक्षण के लिए निरीक्षण- पत्रक तैयार कर अभियान प्रारंभ होने के पूर्व उपलब्ध कराएं। उस्थानीय कुटीर, सुक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों के उद्यमियों से संवाद कर आमपाति/लोक सेवा गारंटी संबंधी समस्याओं का निराकरण करें। विभाग द्वारा मॉनिटरिंग पोर्टल पर जानकारी अपडेट करना सुनिश्चित की जाए।

सात दिन में डेयरी विस्थापन नहीं करने पर भू-खण्ड आवंटन होगा निरस्त, जमा राशि होगी राजसात : निगमायुक्त खत्री

सागर। नगर निगम आयुक्त राजकुमार खत्री ने निर्देश दिए हैं कि नगर निगम सीमा क्षेत्र में संचालित जिन डेयरी संचालकों को डेयरी विस्थापन परियोजना अंतर्गत रसीना/ हफसिली में भू-खण्ड आवंटित किए गए हैं, वे यदि आगामी एक सप्ताह के भीतर अपनी डेयरी का विस्थापन नहीं करते हैं, तो संबंधित भू-खण्ड का आवंटन निरस्त कर उनकी जमा राशि राजसात कर ली जाएगी। नगर निगम द्वारा डेयरी विस्थापन परियोजना के तहत डेयरी संचालकों को उनके पशुओं की संख्या के आधार पर शर्तों अस्थायी भू-खण्ड आवंटित किए गए थे। आवंटन की शर्तों के अनुसार प्रत्येक डेयरी संचालक को 15 दिवस के भीतर स्वयं शेड निर्माण कर डेयरी विस्थापन स्थल पर डेयरी संचालन प्रारंभ करना था। नगर निगम द्वारा समय-समय पर गौटिस जारी करने तथा समाचार पत्रों के माध्यम से सूचना प्रकाशित कर लिखित एवं मौखिक रूप से निर्देश दिए जाने के बावजूद अनेक डेयरी संचालकों द्वारा इन निर्देशों का पालन नहीं किया गया है तथा लगातार लापरवाही बरती जा रही है। निगमायुक्त ने सभी डिफॉल्टर डेयरी संचालकों को अंतिम अवसर देते हुए निर्देशित किया है कि वे 7 दिवस के भीतर आवंटित भू-खण्ड पर शेड निर्माण पूर्ण कर अपने पशुओं को विस्थापित करते हुए डेयरी संचालन प्रारंभ करें तथा किसी-टैग फोटोग्राफ सहित इनकी सूचना नगर निगम कार्यालय को प्रस्तुत करें। निर्धारित समय-सीमा के बाद भी निर्देशों का पालन नहीं करने वाले डेयरी संचालकों का आवंटन स्वतः निरस्त कर उनकी जमा राशि राजसात कर ली जाएगी। ऐसे भू-खण्ड पात्र गव डेयरी संचालकों को आवंटित किए जाएंगे।इसके अतिरिक्त यदि कोई डेयरी संचालक नगर निगम सीमा क्षेत्र में पशु रखकर डेयरी संचालित करता पाया गया, तो निगमनूसार वैधानिक एवं कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मुंशी प्रेमचंद जयंती पर साहित्य संगोष्ठी का हुआ आयोजन, प्राचार्य भारती ने कहा... मुंशी प्रेमचंद का साहित्य युवाओं को आदर्शवाद का मार्ग दिखाता है

हरिभूमि न्यूज ►► गढ़ाकोटा

सागर जिले के गढ़ाकोटा शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में महान साहित्यकार उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचंद की जयंती के अवसर पर हिंदी विभाग,स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन योजना एवं युथ एक्सप्रेस रहली के संयुक्त तत्वावधान में साहित्यिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. घनश्याम भारती ने की। अपने अध्यक्षीय उद्घोषण में प्राचार्य डॉ.घनश्याम भारती ने कहा कि मुंशी प्रेमचंद का साहित्य युवाओं को आदर्शवाद का मार्ग दिखाता है। उनका साहित्य आज भी सत्य, न्याय, समानता और मानवीय मूल्यों के कारण वर्तमान में प्रासंगिक है। उन्होंने विद्यार्थियों से प्रेमचंद के साहित्य का अध्ययन कर उनके आदर्शों को जीवन में अपनाने का आह्वान



किया। कार्यक्रम में हिंदी विभाग की शिक्षक सुश्री ममता अहिरवार द्वारा मुंशी प्रेमचंद के प्रसिद्ध उपन्यास गोदान का सारगर्भित एवं प्रभावशाली प्रस्तुतीकरण किया गया। उन्होंने

उपन्यास के माध्यम से भारतीय ग्रामीण जीवन, किसानों की समस्याओं तथा सामाजिक यथार्थ को सरल एवं रोचक शैली में उपस्थित विद्यार्थियों के समक्ष रखा। संगोष्ठी में अमित

कुमार भारती ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम में युथ एक्सप्रेस रहली द्वारा पोस्टर प्रदर्शनी के माध्यम से मुंशी प्रेमचंद के जीवन-वृत्त, प्रमुख कृतियाँ, गोदान, गबन, निर्मला तथा कफन जैसी रचनाओं के साथ उनके प्रेरणादायक विचारों को प्रभावशाली ढंग से प्रदर्शित किया गया। साथ ही यूथ एक्सप्रेस रहली के विद्यार्थियों द्वारा मुंशी प्रेमचंद की रचनाओं पर आधारित एक प्रेरणादायक नाटक प्रस्तुत किया गया। नाटक के माध्यम से विद्यार्थियों ने सामाजिक कुरीतियों, मानवीय संवेदनाओं, समानता और नैतिक मूल्यों का प्रभावशाली संदेश दिया गया। विद्यार्थियों के उत्कृष्ट अभिनय एवं संवादों ने उपस्थित जनों की खूब सराहना प्राप्त की। कार्यक्रम का संचालन स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन योजना प्रभारी सुश्री आकृति खरे ने किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापकगण, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।



सामाजिक अधिकारिता शिविर में दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों को मिली राहत

हरिभूमि न्यूज ►►सागर



दी गई। महापौर संगीता सुशील तिवारी ने शिविर में पहुंचकर प्रत्येक स्टॉल का निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं का विस्तृत जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिए कि दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों को पूरी संवेदनशीलता, सम्मान और आत्मीयता के साथ सुविधाएं हितग्राहियों से व्यक्तिगत रूप से मिलकर उनकी समस्याएं सुनीं तथा कई हितग्राहियों ने अपने अनुभव भी उनसे साझा किए। महापौर ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप दिव्यांगजन एवं वरिष्ठ



रहली। भाजपा के युवा जिलाध्यक्ष,और संभागीय प्रवक्ता,द्वारा नगर के भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठजनों से भेंट कर सम्मान किया गया। भाजपा नेता पंकज सिंघाई ने बताया कि , जिन्होंने जनसंघ से लेकर भारतीय जनता पार्टी का गौरवशाली यात्रा को अपने परिश्रम, त्याग और समर्पण से सीधा है उनका सम्मान हुआ। साथ ही नपा अध्यक्ष देवरान सोनी उपाध्यक्ष टटलू माते और पाषंडी का भी सम्मान किया गया।

सांदीपनि विद्यालय रहली के अनुकरणीय प्रयास का राज्य स्तर पर चयन

रहली । सांदीपनि विद्यालय की गतिविधियों एवं शिक्षा सुधार हेतु किये जा रहे प्रयासों का राज्य स्तरीय समिति द्वारा चयन कर प्रेक प्रयास, उत्तरेक व अन्य मंचों तथा राज्य के अन्य स्कूलों में सांझा किया जाता है। सांदीपनि विद्यालय रहली में लाइब्रेरी के माध्यम से विद्यार्थियों में पठन संस्कृति, बौद्धिक विकास व सृजनात्मक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित किया जाता है तथा विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षा की पुस्तकें, अन्य साहित्यिक पुस्तकें व समाचार पत्र उपलब्ध कराये जाते हैं। विद्यालय के लाइब्रेरी प्रभारी नरिंज नेमा द्वारा किये गये इस प्रयास की राज्य स्तरीय समिति द्वारा सत्यापन व सराहना कर इसे प्रेक प्रयास में चयनित किया गया। प्राचार्य दिलीप चौबे ने इस अवसर पर कहा की सकारात्मक सोच, योजना बद्ध कार्य, समर्पण, श्रेष्ठ मार्गदर्शन एवं निरंतर प्रयास से लगातार हमारे शिक्षकों के कार्यों की कई बार राज्य स्तर पर सराहना की गई है, सभी विद्यार्थियों के सहयोग से विद्यालय व क्षेत्र का नाम राज्य स्तर पर आना गौरव की बात है। इस उपलब्धि पर प्राचार्य दिलीप चौबे, मा शा प्रभारी संजय खरे, संतोष जैन सहित समस्त शिक्षकों ने बधाई दी।



डीपीएस ने सहोदया टेबिल टेनिस टूर्नामेंट जीता सागर। दिल्ली पब्लिक स्कूल में खेले गए टेबिल टेनिस टूर्नामेंट पर डीपीएस सागर के विद्यार्थियों ने धमाकेदार जीत दर्ज है। सहोदया टेबिल टेनिस टूर्नामेंट को लेकर डीपीएस सागर के कोच मंगल केवट ने बताया, कि टूर्नामेंट सुबह करीब नौ बजे प्रारंभ हुआ। डीपीएस सागर के इंडोर टेबिल टेनिस में परिसर में खेला गया। टूर्नामेंट में सहोदया के सदस्य सात स्कूल दिल्ली पब्लिक स्कूल सागर, केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक - 2, सेंट जोसेफ स्कूल सागर, सेंट मेरी स्कूल मकरोनिया (सागर), दिल्ली पब्लिक स्कूल मकरोनिया, केंब्रिज स्कूल सागर, तथा ग्रेटमैन इंटरनेशनल स्कूल मकरोनिया (सागर) के अंतर - 14 बालक/बालिका व अंतर - 19 बालक/बालिका आयु वर्ग के विद्यार्थियों ने भाग लिया था। डीपीएस सागर के प्राचार्य डॉ. रविकांत बाजपेयजुला ने टूर्नामेंट का उद्घाटन किया। टूर्नामेंट में सम्मिलित सभी खिलाड़ियों से हाथ मिलाकर परिचय लिया शुभकामनाएँ दीं। टूर्नामेंट में प्रतिद्वंद्वियों ने शानदार प्रदर्शन किया। जिसमें अंतर - 14 बालक वर्ग में दिल्ली पब्लिक स्कूल सागर के बालक विजेता रहे तथा दिल्ली पब्लिक स्कूल मकरोनिया के बालक उपविजेता रहे। वहीं अंतर - 14 बालिका वर्ग में भी दिल्ली पब्लिक स्कूल सागर के छात्राएँ विजेता रही दूसरी तरफ अंतर - 19 बालक वर्ग में भी दिल्ली पब्लिक स्कूल सागर के छात्र विजेता रहे एवं केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक - 2 सागर के छात्र उपविजेता रहे। वहीं अंतर - 19 बालिका वर्ग में सेंट जोसेफ सीनियर सेकेंडरी की छात्राओं ने बाजी मारी तथा ग्रेटमैन इंटरनेशनल स्कूल की छात्राएँ उपविजेता रहीं। इस प्रकार ओवर ऑल टूर्नामेंट दिल्ली पब्लिक स्कूल सागर ने जीता। दिल्ली पब्लिक स्कूल सागर निदेशक इंजी. राहुल सराफ ने सभी विजेता छात्र - छात्राओं को बधाई दी है तथा प्रतिभागी खिलाड़ियों को भविष्य के लिए प्रोत्साहित किया है।

जिले में बस्ता जमा कर पटवारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू दो मांगों पर लगी मुहर, लेकिन कैडर रिव्यू वाली मुख्य मांग अब भी अधर में

हरिभूमि न्यूज़ टीकमगढ़

मध्यप्रदेश पटवारी संघ द्वारा अपनी पांच सूत्रीय मांगों को लेकर चलाए जा रहे आंदोलन के बीच शासन ने पटवारियों की दो मांगों पर महत्वपूर्ण कदम उठाया है। राजस्व विभाग द्वारा प्रदेश के सभी कलेक्टरों को जारी किए गए निर्देशों में पटवारियों के खिलाफ राजस्व न्यायालयों में प्रस्तुत प्रतिवेदन के आधार पर सीधे एफआईआर दर्ज करने से पहले प्रारंभिक परीक्षण कराने तथा विभिन्न शासकीय योजनाओं में किए गए कार्यों के एवज में लंबित राशि एवं मानदेय का भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। हालांकि, पटवारियों की सबसे प्रमुख मांग कैडर रिव्यू लागू करने, पदेनन्ति का लाभ देने और समयमान वेतनमान प्रदान करने सहित बाकी की तीन लंबित मांगों को लेकर अब भी स्थिति स्पष्ट नहीं हुई है। पटवारी संघ के जिलाध्यक्ष चंद्रभान समारी ने बताया कि पांच सूत्रीय मांगों को लेकर संघ की ओर से शासन को ज्ञापन सौंपा गया था। जिनमें से 3 मांगे अभी भी बाकी है।



एफआईआर से पहले होगी जांच

राजस्व विभाग के प्रमुख सचिव डॉ. ई. रमेश कुमार द्वारा 3 अगस्त को जारी निर्देश में कहा गया है कि वरीयत एवं अन्य राजस्व न्यायालयीन प्रकरणों में पटवारी केवल प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हैं और उसी प्रतिवेदन के आधार पर गुण-दोष पर निर्णय लिया जाता है। इसके बावजूद कुछ मामलों में पटवारियों के खिलाफ सीधे एफआईआर दर्ज किए जाने की बात सामने आई थी। शासन ने सभी कलेक्टरों को निर्देशित किया है कि भविष्य में यदि पटवारियों द्वारा राजस्व न्यायालयों में प्रस्तुत प्रतिवेदन के आधार पर एफआईआर दर्ज कराने का कोई प्रश्न उत्पन्न होता है, तो सबसे पहले उसका प्रारंभिक परीक्षण कराया जाए और उसके बाद ही अग्रिम कार्रवाई की जाए।

लंबित मानदेय व भुगतान पर भी शासन गंभीर

दूसरे आदेश में राजस्व विभाग ने विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन के दौरान मैदानी अमले द्वारा किए गए कार्यों के लंबित भुगतान को लेकर कलेक्टरों को निर्देश दिए हैं। शासन के सामने यह बात आई थी कि राजस्व विभाग के मैदानी अमले को विभिन्न योजनाओं के कार्यों के लिए निर्धारित राशि समय पर प्राप्त नहीं हो रही है। इसमें स्वामित्व योजना के तहत सर्वे कार्य, कृषि संगणना और लघु सिंचाई संगणना जैसे कार्य शामिल हैं। स्वामित्व योजना के तहत सर्वे के बाद अधिकार अभिलेख तैयार करने, प्रारंभिक प्रकाशन, ढावा-आपति आमंत्रण, अंतिम प्रकाशन आदि कार्यों में हुए खर्च की प्रतिपूर्ति के लिए संबंधित राजस्व अमले को लंबित राशि का भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। इसी प्रकार कृषि संगणना और लघु सिंचाई संगणना के मानदेय की लंबित राशि का भी नियमानुसार भुगतान कराने के निर्देश शासन ने दिए हैं।

मुख्य मांग कैडर रिव्यू पर अभी भी सस्पेंस

पटवारियों की पांच सूत्रीय मांगों में सबसे अहम मानी जा रही कैडर रिव्यू लागू करने, पदेनन्ति एवं समयमान वेतनमान का लाभ देने की मांग पर फिलहाल कोई स्पष्ट निर्णय सामने नहीं आया है। पटवारी संघ जिलाध्यक्ष चंद्रमान समारी का कहना है कि कैडर रिव्यू का प्रस्ताव शासन स्तर पर तैयार होने के बावजूद लंबे समय से लंबित है। प्रदेश के अन्य कर्मचारी संघों में पदेनन्ति के आदेश जारी किए जा रहे हैं, लेकिन पटवारी संघ को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है। संघ की मांग है कि कैडर रिव्यू लागू कर पटवारियों को पदेनन्ति के अवसर उपलब्ध कराए जाएं तथा पदेनन्ति पद के समकक्ष समयमान वेतनमान का लाभ भी दिया जाए। यही मांग पटवारियों के आंदोलन का मुख्य मुद्दा बनी हुई है।

बस्ता जमा कर अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू

मध्यप्रदेश पटवारी संघ के आह्वान पर जिला टीकमगढ़ इकाई के पटवारियों ने अब अपने-अपने बस्ते जमा कर अनिश्चितकालीन हड़ताल का शंखनाद कर दिया है। जिले की टीकमगढ़, पलेरा, बड़ागांव, खरगापुर, जतारा, दिगोड़ा और मोहनगढ़ सहित सभी तहसीलों में पटवारियों ने कामकाज बंद कर आंदोलन शुरू कर दिया है। पटवारियों का कहना है कि शासन द्वारा दो मांगों पर कार्रवाई किया जाना सकारात्मक कदम है, लेकिन जब तक कैडर रिव्यू और उससे जुड़ी पदेनन्ति एवं समयमान वेतनमान की मांग का स्थायी समाधान नहीं होता, तब तक आंदोलन का मूल मुद्दा समाप्त नहीं होगा। ऐसे में अब शासन के इन नए आदेशों के बाद पटवारी संघ आगे की रणनीति तय करेगा।

स्थानांतरण नीति व विभागीय परीक्षा की मांगें भी बाकी

पटवारी संघ जिलाध्यक्ष चंद्रमान समारी ने बताया कि स्थानांतरण नीति में व्याप्त बिसंगतियों को दूर करने और नायब तहसीलदार पद के लिए विभागीय परीक्षा शीघ्र आयोजित करने की मांग भी अभी बाकी है। आवेदन में बताया गया है कि विभागीय परीक्षा पिछले करीब 25 वर्षों में वर्ष 2018 के पश्चात आयोजित नहीं हुई है। संघ ने इस परीक्षा को जल्द आयोजित कराने तथा विभाग में शामिल विषयों को ही परीक्षा का आधार बनने की मांग की है, ताकि पात्र पटवारियों को पदेनन्ति का अवसर मिल सके। पटवारी संघ ने पदाधिकारियों के स्थानांतरण को लेकर भी गंभीर आपत्ति दर्ज करवाई है। आवेदन में आरोप लगाया गया है कि शासन की स्थानांतरण नीति में पदाधिकारियों को विशेष रूप से प्रभावित किया जा रहा है। संघ का कहना है कि कर्मचारी हितों के लिए संगठनात्मक मुश्किलों निम्नलिखित पदाधिकारियों के साथ मैदानवपूर्ण रहया अपनाया जा रहा है। संघ ने ऐसे स्थानांतरणों पर रोक लगाने तथा शासन की स्थानांतरण नीति के अनुसूप निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की है।

वृहद पौधारोपण कार्यक्रम में जेन-जी ने रोपी हरियाली, पर्यावरण बचाने का लिया संकल्प



हरिभूमि न्यूज़ टीकमगढ़

पर्यावरण संरक्षण, हरित विकास और आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य का संदेश देते हुए मंगलवार को महेंद्र सागर तालाब परिसर में वृहद पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला प्रशासन एवं नगर पालिका परिषद के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, कर्मचारियों, सामाजिक संगठनों, विद्यार्थियों, युवाओं और आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाते हुए पौधे रोपे और उनके संरक्षण का संकल्प लिया।

कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय के मुख्य तत्वाधान में कार्यक्रम का आयोजन मंगलवार को प्रातः 7:30 बजे महेंद्र सागर तालाब, सागर बायपास क्षेत्र में किया गया।

पौधारोपण के लिए महेंद्र सागर तालाब का चयन विशेष रूप से किया गया। तालाब के किनारे और ऐतिहासिक तालकोठी के पार्श्व में आयोजित इस अभियान ने पर्यावरण संरक्षण के साथ शहर की ऐतिहासिक विरासत और प्राकृतिक संपदा को सहेजने का संदेश भी दिया। कार्यक्रम के दौरान वातावरण उस समय उत्साह से भर गया, जब बड़ी संख्या में युवाओं और नागरिकों ने पौधारोपण में भाग लेते हुए हरियाली बढ़ाने का संकल्प लिया। विभिन्न स्थानों पर पौधे रोपने के साथ उनके संरक्षण और नियमित देखभाल की जिम्मेदारी का भाव भी दिखाई दिया। कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि महेंद्र सागर तालाब के किनारे और ऐतिहासिक तालकोठी के पार्श्व में आज टीकमगढ़ की जेन-जी ने सिर्फ पौधे नहीं

लगाए, बल्कि भविष्य की नींव रखी है। उन्होंने कहा कि यह अभियान केवल पौधारोपण तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी और आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है। कलेक्टर श्रोत्रिय ने कहा कि विरासत हमारी, ऊर्जा युवाओं की और भविष्य आने वाली पीढ़ियों का है। उन्होंने युवाओं की सहभागिता को पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सकारात्मक कदम बताते हुए कहा कि जब युवा किसी अभियान से जुड़ते हैं तो उसका प्रभाव लंबे समय तक दिखाई देता है। उन्होंने नागरिकों से आह्वान किया कि पौधा लगाने के साथ उसके संरक्षण की जिम्मेदारी भी निभाई जाए। एक पौधा बड़ा होकर न केवल पर्यावरण को शुद्ध करता है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए छाया, ऑक्सीजन और बेहतर प्राकृतिक वातावरण उपलब्ध कराता है।

पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप देने का किया प्रयास

वृहद पौधारोपण अभियान का मुख्य उद्देश्य जनसहभागिता के माध्यम से अधिक से अधिक पौधे लगाकर जिले में हरित क्षेत्र का विस्तार करना तथा टीकमगढ़ की स्वच्छ, सुंदर और पर्यावरण-अनुकूल जिला बनाने की दिशा में मजबूत कदम उठाना है। कलेक्टर श्रोत्रिय के तत्वाधान में आयोजित जिला प्रशासन की इस पहल में नगर पालिका के साथ विभिन्न सामाजिक संगठनों, विद्यार्थियों और आम नागरिकों को जोड़कर पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप देने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम में शामिल नागरिकों ने भी पौधारोपण को महज औपचारिकता न मानते हुए लगाए गए पौधों की देखभाल करने का संकल्प लिया। इस दौरान यह संदेश भी दिया गया कि शहर के तालाब, जलस्रोत, हरित क्षेत्र और ऐतिहासिक स्थल केवल वर्तमान पीढ़ी की धरोहर नहीं हैं, बल्कि इन्हें आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखना सामूहिक जिम्मेदारी है। जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की कि प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाए और उसे वृक्ष बनने तक संरक्षित करे। प्रशासन ने संदेश दिया कि एक वृक्ष केवल एक पौधा नहीं, बल्कि अनेक पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की गारंटी है। महेंद्र सागर तालाब परिसर में आयोजित यह अभियान टीकमगढ़ में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में जनभागीदारी की नई तस्वीर पेश करता नजर आया। युवाओं की सक्रिय भागीदारी ने इस संदेश को और मजबूत किया कि यदि नई पीढ़ी प्रकृति संरक्षण की जिम्मेदारी अपने कंधों पर ले तो आने वाले समय में शहर की तस्वीर हरियाली से और अधिक खूबसूरत बनाई जा सकती है। कलेक्टर श्रोत्रिय ने वृक्षारोपण के दौरान कहा कि पौधा आज रोपे गया है, लेकिन उसकी छंव आने वाली पीढ़ियां लेंगी। इसी संकल्प के साथ महेंद्र सागर की धरती पर हरित भविष्य की ओर एक और मजबूत कदम बढ़ाया गया।

गांव-गांव पहुंच रहे गोर नायब तहसीलदार, लगा रहे शिपिर

हरिभूमि न्यूज़ गोर

किसानों की राजस्व संबंधी समस्याओं के त्वरित निराकरण और उन्हें स्थानीय स्तर पर प्रशासनिक सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से गोर तहसील प्रशासन द्वारा गांव-गांव में राजस्व शिपिर आयोजित किए जा रहे हैं। टीकमगढ़ जिले की गोर तहसील के प्रभारी नायब तहसीलदार अभय सिंह गौड़ स्वयं ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचकर किसानों की समस्याएं सुन रहे हैं तथा संबंधित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के लिए अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दे रहे हैं। नायब तहसीलदार गौड़ की इस पहल का उद्देश्य किसानों को अपनी छोटी-बड़ी राजस्व संबंधी समस्याओं के लिए बार-बार तहसील कार्यालय के चक्कर लगाने से राहत दिलाना है। गांवों में आयोजित शिपिरों में किसानों को अपनी समस्या सीधे राजस्व अधिकारियों के सामने रखने का अवसर मिल रहा है। अधिकारी मौके पर ही संबंधित प्रकरण की जानकारी लेते हैं और जहां तत्काल समाधान संभव होता है, वहां आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। वहीं जिन मामलों में प्रक्रिया पूरी करने के लिए संबंधित विभाग या अधिकारी की आवश्यकता होती है, उनके निराकरण के लिए निर्देश दिए जा रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में आयोजित इन शिपिरों में किसान अपनी



विभिन्न राजस्व संबंधी समस्याएं लेकर पहुंच रहे हैं। किसानों की समस्याओं को गंभीरता से सुनने के साथ ही नायब तहसीलदार द्वारा संबंधित कर्मचारियों से प्रकरण की स्थिति की जानकारी ली जा रही है। उनका प्रयास है कि अनावश्यक रूप से लंबित प्रकरणों का समय पर निराकरण हो और किसानों को अपनी समस्या के समाधान के लिए कार्यालयों के चक्कर न लगाना पड़े। नायब तहसीलदार अभय सिंह गौड़ का कहना है कि राजस्व प्रशासन की जिम्मेदारी केवल कार्यालय में बैठकर प्रकरणों का निराकरण करना नहीं है, बल्कि जरूरतमंद लोगों तक प्रशासन की पहुंच

सुनिश्चित करना भी है। इसी सोच के साथ गांवों में पहुंचकर शिपिर लगाए जा रहे हैं, ताकि किसानों की समस्याओं को नजदीक से समझा जा सके और उनके निराकरण की प्रक्रिया को गति दी जा सके। शिपिरों के आयोजन से ग्रामीणों और राजस्व प्रशासन के बीच सीधा संवाद भी स्थापित हो रहा है। किसानों को अपने प्रकरण की स्थिति की जानकारी मिलने के साथ ही उन्हें संबंधित प्रक्रिया के बारे में भी बताया जा रहा है। इससे किसानों में प्रशासन के प्रति विश्वास बढ़ने के साथ उनकी समस्याओं के समाधान को लेकर उम्मीद भी मजबूत हुई है। क्षेत्र के किसानों ने गांवों में राजस्व शिपिर लगाए जाने की पहल का स्वागत किया है। किसानों का कहना है कि राजस्व से जुड़े किसी मामले को लेकर तहसील मुख्यालय तक पहुंचना कई बार समय और धन दोनों की दृष्टि से परेशानी भरा होता है। ऐसे में यदि अधिकारी स्वयं गांव में पहुंचकर समस्याएं सुनते हैं तो ग्रामीणों को बड़ी राहत मिलती है। किसानों ने शिपिरों को नियमित रूप से आयोजित किए जाने की आवश्यकता भी बताई है, ताकि अधिक से अधिक ग्रामीण अपनी समस्याएं प्रशासन के समक्ष रख सकें। गोर तहसील क्षेत्र में प्रभारी नायब तहसीलदार अभय सिंह गौड़ द्वारा अपनाई जा रही इस कार्यशैली की ग्रामीणों के बीच सराहना की जा रही है।

हरिभूमि न्यूज़ पलेरा

दतिया विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी घनश्याम सिंह की 6,029 मतों के बहुमत से जीत के बाद टीकमगढ़ जिले के पलेरा नगर में भी कांग्रेस कार्यकर्ताओं का उत्साह चरम पर पहुंच गया। जीत की घोषणा होते ही कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने संयुक्त रूप से विजय उत्सव मनाते हुए नगर में भव्य विजय रैली निकाली। ढोल-नगाड़ों की थाप पर कार्यकर्ता जमकर झुमे और नृत्य किया। कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे का मुंह मीठा कराया तथा आतिशबाजी कर जीत का जश्न मनाया। विजय उत्सव की शुरुआत पलेरा के थाना तिराहा से हुई। यहां कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एकत्रित हुए। इसके बाद कार्यकर्ताओं ने हाथों में कांग्रेस एवं इंडिया गठबंधन के झंडे लेकर विजय रैली निकाली। रैली नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए आगे बढ़ी। इस दौरान कार्यकर्ताओं का जोश देखते ही बन रहा था। रैली के दौरान पूरा नगर इंडिया गठबंधन जिंदाबाद, राहुल गांधी जिंदाबाद, कांग्रेस पार्टी जिंदाबाद और घनश्याम सिंह जिंदाबाद जैसे नारों से गुंजायमान रहा। ढोल-नगाड़ों की थाप और आतिशबाजी के बीच कार्यकर्ताओं ने जमकर खुशी का इजहार किया।



कई स्थानों पर आम नागरिकों ने भी विजय रैली का स्वागत किया और कार्यकर्ताओं को जीत की बधाई दी। कार्यकर्ताओं ने दतिया उपचुनाव के परिणाम को जनता के विश्वास की जीत बताते हुए कहा कि दतिया की जनता ने लोकतंत्र, विकास और जनहित की राजनीति के पक्ष में अपना स्पष्ट जनादेश दिया है। उन्होंने कहा कि यह जीत केवल कांग्रेस प्रत्याशी घनश्याम सिंह की नहीं, बल्कि उन सभी लोगों की जीत है, जिन्होंने जनहित और जनसेवा की राजनीति में अपना विश्वास जताया है। थाना तिराहा पर आयोजित संक्षिप्त सभा में कांग्रेस नेताओं ने घनश्याम सिंह को जीत की बधाई देते हुए कहा कि जनता ने अहंकार की राजनीति को नकारकर जनसेवा और जनहित की राजनीति को अपना समर्थन दिया है। नेताओं ने कहा कि कांग्रेस लगातार जनता से जुड़े मुद्दों को उठाती रही है और दतिया उपचुनाव के परिणाम ने

कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार किया है। वहीं समाजवादी पार्टी के नेताओं ने कांग्रेस प्रत्याशी की जीत को इंडिया गठबंधन की एकजुटता और मजबूती का संकेत बताया। उन्होंने कहा कि गठबंधन के कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर जनता के मुद्दों को मजबूती से सामने रखा और चुनौत परिणाम ने गठबंधन की राजनीतिक ताकत को प्रदर्शित किया है। विजय उत्सव के दौरान कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी। पूरे आयोजन में उत्साह, उमंग और भाईचारे का माहौल नजर आया। देर शाम तक नगर में जगह-जगह जीत की खुशियां मनाई जाती रहीं। इस अवसर पर विधायक प्रतिनिधि विनोद वर्मा, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अशोक अहिरवार, पार्षद अभय मोर, पार्षद कमलेश अहिरवार, नरेश तिवारी, आकाश राय, मनखान यादव, मोहन अहिरवार, पुष्पेंद्र सिंह, आदि रहे मौजूद।

हादसे में मासूम की मौत, माता-पिता गंभीर राखड़ से लदे तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार परिवार को रौंदा

हरिभूमि न्यूज़ बड़ागांव धसान

थाना क्षेत्र के अजनौर गांव में सोमवार के दिन एक दर्दनाक सड़क हादसे ने परिवार की खुशियां मातम में बदल दीं। नरसिंहगढ़ से सीमेंट की डस्ट राखड़ भरकर तेज रफ्तार से उत्तर प्रदेश की ओर जा रहे ट्रक ने बाइक सवार परिवार को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक पर सवार 11 वर्षीय राजकुमार आदिवासी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसके पिता संतोष आदिवासी और माता आरती आदिवासी गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर जमा हो गए। जानकारी के अनुसार छतपुर जिले के बडरावनी गांव निवासी आदिवासी परिवार सवान सोमवार के अवसर पर कुंडेश्वर धाम में दर्शन करने आया था। धार्मिक दर्शन के बाद परिवार बाइक से वापस अपने गांव लौट रहा था।

इसी दौरान बड़ागांव धसान थाना क्षेत्र के अजनौर गांव के पास सामने की ओर से तेज गति से आ रहे राखड़ से भरे ट्रक ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर के बाद बाइक सवार तीनों सड़क पर जा गिरे। हादसा इतना गंभीर था कि 11 वर्षीय राजकुमार ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वहीं उसके माता-पिता गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंच गए और घायलों को मदद पहुंचाने का प्रयास किया। घटना में मासूम बच्चे की मौत की खबर से ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। हादसे के बाद गुस्साए लोगों ने ट्रक को घेर लिया और उसके शीशे तोड़ते हुए तोड़फोड़ कर दी। घटनास्थल पर कुछ समय के लिए तनाव की स्थिति बन गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला। पुलिस ने दुर्घटनास्थल बाइक एवं ट्रक को अपने कब्जे में लिया।

हरिभूमि न्यूज़ टीकमगढ़

शहर की कानून-व्यवस्था और पुलिस की कार्यप्रणाली को लेकर सवाल खड़े करने वाला मामला सामने आया है। जिनमें प्रदेश सरकार द्वारा वारम्बार निर्देश जारी करने के बावजूद पत्रकारों पर जानलेवा हमले नहीं रुक रहे। मामूिन दरवाजा निवासी एवं पत्रकार लोकेन्द्र सिंह परमार ने आरोप लगाया है कि पहले उनके छोटे भाई को धमकी दी गई और बाद में विवाद खत्म करने के बहाने उन्हें महेंद्र सागर तालाब के पास बुलाया गया, जहां पहले से मौजूद युवकों ने उन्हें घेरकर धातदार हथियार से हमला कर दिया। पॉइंट पत्रकार लोकेन्द्र सिंह ने धातदार हथियार से माथे पर वार करने, मारपीट करने तथा कान से सोने की बाली खींच लेने के गंभीर आरोप लगाए हैं। मामले में एसपी सुधीर अग्रवाल के निर्देश के बाद कोतवाली पुलिस ने तीन नामजद आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

घटना के संबंध में मिली शिकायत के अनुसार 2 अगस्त की रात पत्रकार लोकेन्द्र सिंह परमार के छोटे भाई अभिनेन्द्र सिंह परमार पीजी कॉलेज, कुण्डेश्वर रोड स्थित



बड़े भाई को फोन किया तो समझौते के बहाने बुलाया

पत्रकार लोकेन्द्र सिंह परमार के अनुसार विवाद को आगे बढ़ने से रोकने और आपसी बातचीत से मामला समाप्त कराने के उद्देश्य से उन्होंने ऋषि जड़िया के बड़े भाई शिवम जड़िया से फोन पर बात की। शिकायत में आरोप है कि शिवम ने उन्हें भरोसा दिलाया कि कोई विवाद नहीं होगा और बातचीत से मामला शांत कर लिया जाएगा। इसी भरोसे पर उन्हें महेंद्र सागर तालाब के पास बुलाया गया। शिकायत के मुताबिक पत्रकार लोकेन्द्र सिंह जब मौके पर पहुंचे तो वहां शिवम जड़िया, ऋषि जड़िया, साहिल हरदशाही सहित अन्य लोग पहले से मौजूद थे। आरोप है कि वहां पहुंचते ही उन्हें घेर लिया गया और गाली-गलौज के बाद अचानक मारपीट शुरू कर दी गई।

धातदार हथियार से माथे पर वार का आरोप

पॉइंट पत्रकार लोकेन्द्र सिंह का आरोप है कि हमले के दौरान ऋषि जड़िया ने धातदार हथियार से उनके माथे पर वार किया। वार लगने से उनके सिर से खून बहने लगा। हमले से बचने के प्रयास में उनके हाथ और आंख के आसपास भी चोटें आईं। पॉइंट ने मारपीट के दौरान उनके कान से सोने की बाली खींचकर ले जाने का आरोप भी लगाया है। घटना के बाद कार्रवाई के लिए पॉइंट रात करीब 12 बजे कोतवाली थाने पहुंचा और सुबह करीब 4 बजे तक कार्रवाई की प्रतीक्षा करने की बात कही है। इसके बाद उन्होंने स्वयं जिला अस्पताल पहुंचकर मेडिकल परीक्षण कराया।

घटना की जानकारी सोमवार को पत्रकार साथियों को मिलने के बाद पत्रकारों का प्रतिनिधिमंडल पुलिस अधीक्षक सुधीर अग्रवाल से मिला। प्रतिनिधिमंडल ने पूरे मामले की जानकारी देते हुए निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पुलिस अधीक्षक अग्रवाल ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच करने तथा दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई का भरोसा दिया। इसके बाद उनके निर्देश पर कोतवाली पुलिस ने शिवम जड़िया, ऋषि जड़िया और साहिल हरदशाही के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 296(बी), 115(2), 309(4) एवं 351(3) के तहत प्रकरण दर्ज किया है।

एसपी से मिले पत्रकार

घटना की जानकारी सोमवार को पत्रकार साथियों को मिलने के बाद पत्रकारों का प्रतिनिधिमंडल पुलिस अधीक्षक सुधीर अग्रवाल से मिला। प्रतिनिधिमंडल ने पूरे मामले की जानकारी देते हुए निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पुलिस अधीक्षक अग्रवाल ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच करने तथा दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई का भरोसा दिया। इसके बाद उनके निर्देश पर कोतवाली पुलिस ने शिवम जड़िया, ऋषि जड़िया और साहिल हरदशाही के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 296(बी), 115(2), 309(4) एवं 351(3) के तहत प्रकरण दर्ज किया है।

जनसुनवाई में शिकायत पर जिपं सीईओ ने जताई नाराजगी

नियमों में अटकी दिव्यांग बच्चों की पढ़ाई, नहीं खुल सका छात्रावास

हरिभूमि न्यूज़▶▶श्योपुर

ऐसे बच्चे जो बोलना,सुनना नहीं जानते हो या जिनकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं हो उन्हें भी सामान्य बच्चों की तरह पढ़ाई का अवसर मिले इस उद्देश्य से सरकार ने जगह-जगह छात्रावास खोले हुए हैं इसी क्रम में जिला मुख्यालय बायपास रोड पर भी बीते दो दशक से भी अधिक समय से दिव्यांग छात्रावास संचालित हो रहा है जिसमें तीन दर्जन से अधिक बच्चे आवासीय सुविधा के साथ पढ़ाई का लाभ ले रहे थे लेकिन इस सत्र में शिक्षा विभाग उक्त छात्रावास को शायद संचालित करना भूल गया जिसकी बानगी मंगलवार को जनसुनवाई में देखने को तब मिली जब अभिभावकों ने छात्रावास खोले जाने की मांग करते हुए आवेदन दिया। इस तरह का आवेदन मिलने से जनसुनवाई कर रही जिला पंचायत सीईओ सोम्या आनंद खुद भौचक रह गई और उन्होंने डीपीसी को कॉल लगाकर की जा रही कार्रवाई से तत्काल अवगत कराने के निर्देश दिए और अभी तक हुई देरी पर नाराजगी जताई।

ग्राम भोजका से आए ग्रामीणों ने जनसुनवाई कर रही जिपं



इधर शिक्षकों को दे रहे निर्देश उधर खुद होश में नहीं

विशेष आवश्यकता वाले बच्चों दिव्यांग विद्यार्थियों को विहित करने के निर्देश राज्य शिक्षा केंद्र के माध्यम से डीपीसी और बीआरसी के माध्यम से सभी शिक्षकों को दिए जा चुके हैं और सभी स्कूलों से जानकारी भी मंगा ली गई है साथ ही चेतावनी भी दी जा रही है कि अगर किसी स्कूल से दिव्यांग छात्र छात्रा की जानकारी नहीं पहुंची तो संबंधी शाला प्रमारी और क्लास टीचर के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी । उधर डीसी कार्यालय खुद दिव्यांग छात्रों के छात्रावास का संचालन करना भूल गया यह भूल कितनी गंभीर है इसकी बानगी इसी से लग जाती है कि सत्र शुरू हुआ डेढ़ महीना बीत गया और बच्चों ने एक भी दिन छात्रावास में नहीं बिताया है।

सीईओ को बताया कि उनके बच्चे बलराम पुत्र श्रवण बंजारा, नवदीप पुत्र साहब सिंह, अंकुश पुत्र पवन माहोर, महेश पुत्र मुनेश आदिवासी, जतिन पुत्र गिरांज प्रजापति, बसंत पुत्र ब्रजराज आदिवासी, एवं राजवीर जो कि सभी मूक बधिर बच्चे हैं। इन सबका एडमिशन 2 साल से मूक

बधिर जिला सिध्देश्वर महाराज विकलांग छात्रावास/स्कूल श्योपुर मे है किन्तु इस वर्ष अभी तक उक्त छात्रावास मे स्कूल चालू नहीं किया है जब हम उक्त छात्रावास मे अपने बच्चो को छोड़ने गये तो छात्रावास मे 1 टीचर के अलावा कोई नहीं मिला। जब उक्त शिक्षक से छात्रावास के अन्य

नई विज्ञप्ति निकालना भूला डीपीसी कार्यालय

छात्रावास के नहीं खुलने के पीछे जो कहानी निकलकर सामने आई है वह बड़ी चौंकाने वाली है। दरअसल इससे पहले इस छात्रावास का संचालन सिद्धेश्वर महाराज समिति ग्वालियर द्वारा किया जा रहा था उसका अनुबंध बीच सत्र में ही पूरा हो गया था लेकिन कलेक्टर ने पुरा सत्र छात्रावास को चलाने के उद्देश्य से उसे फरवरी और मार्च तक अनुबंध बढ़ा दिया जिससे एंजियो ने पूरे शैक्षणिक सत्र उक्त छात्रावास का संचालित कर लिया लेकिन इस बीच डीपीसी कार्यालय छात्रावास संचालन के लिए नए एंजियो हेतु विज्ञप्ति निकलना शायद भूल गया जिसका खागिराया आज इन मूकबधिर दिव्यांग बच्चों को गुगतना पड़ रहा है अब सीईओ जिंला पंचायत के निर्देश के बाद छात्रावास संचालन हेतु विज्ञप्ति निकाली जाने की कवायद की जा रही है जिसमें डेढ़ महीना तो निकल चुका है और 15 दिन विज्ञापन निकाले जाने और अनुबंध किए जाने में लग जाएगा।

इनका कहना...

छात्रावास की जिम्मेदारी एपीसी को दी हुई है उन्हें विज्ञप्ति निकाल कर एंजियो सैलैक्ट करने के निर्देश दिए हैं। एक-दो दिन में विज्ञप्ति निकाल कर छात्रावास शुरू करने के लिए फाइल कटुप कर दी जाएगी।

मुपेद शर्मा डीपीसी श्योपुर	रामधुन राठौर अध्यक्ष सिदेश्वर महाराज शिक्षा प्रसार समिति ग्वालियर
मेरा अनुबंध समाप्त हो जाने के बाद मुझे फरवरी मार्च में छात्रावास संचालित करने के निर्देश दिए थे। आगे मुझे छात्रावास संचालित करने को नहीं बोला गया इसलिए नहीं किया गया। अगर बोलेंगे तो मैं आज भी छात्रावास को संचालित करने को तैयार हूँ।	स्टाफ के बारे में पूछा तो शिक्षक ने बताया कि अभी तक शासन का कोई आदेश छात्रावास / स्कूल चालू करने का नहीं मिला है इसलिए अभी न तो कोई स्टाफ आया है और ना ही हम आप

आरक्षक की पार्टनरी में ढाबा,जहां देर रात तक जमती है असामाजिक तत्वों की महफिल

आधी रात को स्टेडियम के पास नशे में धुत मिला आरक्षक निलंबित

हरिभूमि न्यूज़▶▶श्योपुर

जहां एक तरफ पुलिस लोगो को नशा छोडने का संकल्प दिलवा रही है, वहीं दूसरी तरफ पुलिस के ही कई लोग नशे में मदहोश होकर घूम रहे है। यह हम नहीं रहे,बल्कि इसकी बानगी 3 अगस्त की आधी रात को शहर के स्टेडियम के पास तब देखने की मिली,जहां कोतवाली पुलिस को चैकिंग के दौरान यहां महिन्द्रा थार गाडी में पुलिस का जवान अपने साथियों के साथ नशे में धुत होकर बैठा मिला। हालांकि इस मामले में

पुलिस कप्तान मोतीउर रहमान ने तत्काल कार्रवाई करते हुए उक्त पुलिस जवान को सस्पेंड कर दिया है। लेकिन इस तरह के घटनाक्रमों से पुलिस के नशा मुक्ति अभियान की सफलता पर प्रश्न चिन्ह खडे हो रहे है।

पुलिस के मुताबिक 3 अगस्त की रात करीब 11 बजे कोतवाली थाने की पुलिस टीम ने जब स्टेडियम के पास खडी धार गाडी को चैक किया तो उसके अंदर पुलिस लाइन में तैनात आरक्षक शैलेन्द्र सिंह सेंगर अपने साथियों के

साथ बैठा मिला। इस दौरान आरक्षक शैलेन्द्र सिंह सेंगर नशे में धुत था। बताया जा रहा है कि उक्त आरक्षक का स्टेडियम के पास पार्टनरी में ढाबा और चाय दुकान संचालित हो रही है। जहां देर रात तक असामाजिक तत्वों का जमावडा देर रात लगा रहता था। जब कोतवाली पुलिस ने इस मामले की जानकारी पुलिस कप्तान मोतीउर रहमान को दी तो उन्होने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरक्षक शैलेन्द्र सिंह सेंगर को निलंबित कर दिया।

मीणा समाज ने एसपी का किया अभिनंदन,सौंपा सुझावों संबंधी ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज़▶▶श्योपुर

क्षेत्रीय मीणा समाज के एक प्रतिनिधी मंडल ने मंगलवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर नवागत एसपी मोतीउर रहमान से मुलाकात की और उनका अभिनंदन करते हुए जिले की कानून व्यवस्था को बेहतर बनाने और जन सुरक्षा से जुड़े सुझावो से संबंधित एक ज्ञापन भी सौंपा।

क्षेत्रीय मीणा समाज श्योपुर के अध्यक्ष हंसराज मीणा नागडा के नेतृत्व में मीणा समाज प्रतिनिधी मंडल ने एसपी को जो सुझाव संबंधी ज्ञापन सौंपा है,उसमें बढते नशा कारोबार पर सख्ती से कार्रवाई करते हुए श्योपुर जिले को नशा मुक्त बनाने, कन्या स्कूल और



कॉलेजो के आसपास घूमने वाले मनचलो के खिलाफ अभियान चलाने, स्कूली वाहनों की नियमित जांच करने, यातायात व्यवस्था व निष्पक्ष चैकिंग की कार्रवाई करने,खुलेआम सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने

पर सख्ती से पाबंदी लगाने तथा जिले की सीमावर्ती चौकियों पर सीसीटीवी कैमरो से निगरानी बढाए जाने का सुझाव दिया है। प्रतिनिधी मंडल में महावीर सिंह मीणा तथा लक्ष्मण सिंह मीणा आदि भी शामिल थे।

समय पर अस्पताल पहुंचने से बची 6 वर्षीय बालक की जान

चेक बाउंस मामले में एक साल का कारावास, 2 लाख 36 हजार का जुर्माना

श्योपुर। सर्पदंश के मामलों में जागरूकता बहुत जरूरी है, झाड़ फूंक के फेर में न पडकर तत्काल अस्पताल में इलाज के लिए लाणा समझदारी मरा कार्य है। स्वास्थ विभाग द्वारा सर्पदंश के मामलों में इस प्रकार की एडवायजरी भी जारी की जाती है कि सर्पदंश पीडित को तत्काल अस्पताल पहुंचाया जाये। विभाग की जागरूकता का प्रभाव भी अब दिखने लगा है। ऐसे ही एक मामले में परिजनों की सजगता से बालक के जीवन को खतरे से बाहर निकालने में अस्पताल



स्टॉफ ने सफलता हासिल की है। सिविल सर्जन डॉ एसएन बिंदल ने बताया कि बालक राखवीर पिता योगेश माली, उम्र 6 वर्ष निवासी हासिलपुर को गत 3 अगस्त की शाम लगभग 05 बजे सर्पदंश की घटना के बाद परिजन उसे सीधे जिला अस्पताल लेकर आ गए। अस्पताल पहुंचने पर बालक की स्थिति अत्यंत गंभीर थी। इयूटी पर उपस्थित डॉ. जितेंद्र यादव ने तत्काल उपचार प्रारंभ किया तथा अपनी टीम के साथ निरंतर प्रयास करते हुए बालक का सफल उपचार किया। उपचार में नर्सिंग ऑफिसर मंजु डाबर, राजकुमारी कुशराम, वार्डबॉय बंटी का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा। चिकित्सकीय टीम के समर्पित प्रयासों से बालक की स्थिति में तेजी से सुधार हुआ और अब वह पूरी तरह खतरे से बाहर एवं स्वस्थ है। सिविल सर्जन डॉ.बिंदल ने बताया कि इस घटना से यह स्पष्ट होता है कि सर्पदंश की स्थिति में झाड़-फूंक या अंधविश्वास का सहारा लेने के बजाय तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचना ही जीवन बचाने का सबसे प्रभावी उपाय है। यदि परिजन समग्र पर अस्पताल नहीं लाते तो स्थिति और गंभीर हो सकती थी। उन्होंने कहा कि सर्पदंश की घटना होने पर घबराएं नहीं तथा झाड़-फूंक या घरेलू उपचार में समय न गंवाएं।

हरिभूमि न्यूज़▶▶श्योपुर

चैक बाउंस मामले में श्योपुर के जेएमएफसी न्यायालय ने फैसला सुनाते हुए हुसैन खान पुत्र शब्बीर उर्फ बल्लू खान निवासी बड़ौदा को एक साल का कारावास तथा 2 लाख 36 हजार रूपए के जुर्माने की सजा सुना दी ।

जानकारी के अनुसार हुसैन खान पुत्र शब्बीर खान उर्फ बल्लू निवासी हॉस्पिटल तिराहे के पास

बड़ौदा ने घरू खर्च की आवश्यकता बताते हुए परिवारि हरपाल सिंह निवासी तलावड़ा से 2 लाख रुपए उधार लिए तथा उनको शीघ्र ही लौटाने की बात कही। परंतु जब हरपाल सिंह ने अपनी रकम हुसैन खान से मांगी तो हुसैन खान ने उक्त राशि का चेक परिवारि को ये कहते हुए दिया कि इसको बैंक में लगाकर अपनी राशि प्राप्त कर लेना। परिवारि के द्वारा जब अपनी राशि प्राप्त करने के लिए उक्त चेक बैंक

खाते में लगाया तो खाते में पर्याप्त राशि न होने की वजह से बाउंस हो गया जिससे दुखित होकर हरपाल सिंह ने यह मामला अभिभाषक राकेश सिंह जाट के माध्यम से न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया। अभिभाषक राकेश सिंह जाट ने बताया कि इस मामले में सुनवाई पूर्ण करते हुए जेएमएफसी न्यायालय ने हुसैन खान को दोषी मानते हुए 1 साल का कारावास एवं प्रतिकर राशि 236000 रुपए का जुर्माना भी लगाया।

आवदा थांना क्षेत्र से अगवा किशोरी बागचीनी क्षेत्र से बरामद

आवदा थांना क्षेत्र से पिछले माह अगवा हुई एक नाबालिग बालिका को आवदा थांना पुलिस ने मुरेना जिले के बागचीनी थांना क्षेत्र से दस्तखत किया है। आवदा थांना प्रमारी डीएस मालवीय ने बताया कि नाबालिग किशोरी पिछले माह अपने घर से अगवा हो गई थी। फरियादी ने ठाकुर बंजारा पर किशोरी को अगवा करने का संदेह व्यक्त किया था।

सैचुरी के पास जमीन देने से नाराज विस्थापितों की कलेक्ट्रेट को आशियाना बनाने की चेतावनी

हरिभूमि न्यूज़▶▶श्योपुर

चेटीखेड़ा बांध की डूब में आ रहे परिवारों ने उन्हें विस्थापन के लिए जमीन कूनों नेशनल पार्क के समीप दिए जाने पर नाराजगी जताते हुए मंगलवार को विजयपुर से आए परिवारों ने कलेक्ट्रेट पर धरना देकर विरोध जताया और चेतावनी भी दे दी कि अगर मांगे नहीं मानी गईं तो वह आगामी आंदोलन तगड़ा करेंगे और कागजों में हुए विस्थापन के खिलाफ कलेक्ट्रेट परिसर को आशियाना बनाने पर मजबूर होंगे



परिवार विमाजन नहीं करने से परेशानी

ग्रामीणों को शिकायत यह भी है कि उन्हें जो जमीन दी गई है वह उसमें परिवार विमाजन ठीक से नहीं किया गया है।ग्रामीण गाणेश ने अपर कलेक्टर को बताया कि उसकी विस्थापन के नाम पर 50 बाई 50 का प्लॉट रहने के लिए दिया गया है जिस पर वह अपने परिवार सहित रहेगा लेकिन उसके साथ उसके चार बेटे भी हैं वह कहा रहेंगे परिवार विमाजन ठीक से नहीं होने से यह समस्या हर परिवार के सामने आ रही है। इसलिए जिस परिवार में 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुका लड़का मौजूद है तो उसे एक परिवार मानकर अलग से जमीन दी जाए ताकि बाद में उक्त जमीन को लेकर परिवार में आपस में ही विवाद झगड़ा ना हो।

उसकी जगह पर ग्रामवासियों को जमीन उमरीकलां में कूनों नेशनल पार्क से लगी हुई दिलवाई जा रही है,

बेरई बालाजी, पिपरवा भवरपुरइन में से कोई भी जगह दिलवाई जावे। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि अगर

उनकी जायज मांगे नहीं मानी गईं तो वह अगली बार जब श्योपुर आएंगे तो या तो मांगे मोके पर ही मनवाकर

जाएंगे या फिर परिवार सहित यही डेरा डालकर अनिश्चित कालीन समय तक के लिए बैठ जाएंगे।

हरिभूमि न्यूज़▶▶श्योपुर

शहर के बीचो-बीच स्थित पुराना जिला न्यायालय सुबात कचहरी में अब नशेड़ियों को नशा करने से भोला बिग्रेड रोकेगी। खारा कुआं बस्ती वार्ड नंबर 3 में रहने वाले कुछ धार्मिक प्रवृति के युवाओं ने इस पुराने भवन में स्थित न्यायालेश्वर महादेव स्थल की साफ सफाई कर सावन के पूरे महीने में पूजा करने और नशेड़ियों को सावन के इस पवित्र महीने में दूर रखने का निर्णय लिया है। नशेड़ियों को कचहरी में प्रवेश करने से रोकने के लिए पहरा भी दिया जाएगा।

सूनी हवेली बन चुकी सुबात कचहरी नशेड़ियों का स्वर्ग बना हुआ है हजारों की संख्या में यहां नशे का उपयोग वाली एंजिल इंजेक्शन की सिंसी, सीरीज, आदि पड़े हुए हैं। दिन भर नशेड़ियों का जमघट इस



इमारत में लगा रहता है इसी बिल्डिंग में प्राचीन मंदिर भी है जो न्यायालेश्वर महादेव के नाम से जाना जाता है जिसकी साफ सफाई सावन का महीना शुरू होते ही बस्ती के युवाओं ने करते हुए पहले सोमवार पर शिवलिंग को स्नान कराकर उसका श्रृंगार किया और पूजा पाठ शुरू कर द। युवाओं को देख बस्ती के और लोग भी शिवलिंग पर फूल बेलपत्र

धतूरा इत्यादि चराने पहुंचे दिन भर पूजा पाठ का सिलसिला चलता रहा जिससे नशेड़ी इस बिल्डिंग से फिलहाल दूरी बनाए हुए हैं साथ ही युवाओं की टीम के एक दो लोग उस स्थान पर नशेड़ियों को रोकने पहरा देते रहे हैं जहां से नशेड़ी प्रवेश करते हैं। सावन के महीने में किसी को भी बिल्डिंग में नशा नहीं करने दिया जाएगा।

2 लाख रुपए और पल्सर बाइक न लाने पर नव विवाहिता को प्रताड़ित कर घर से निकाला

हरिभूमि न्यूज़▶▶श्योपुर

एक नव विवाहिता को उसके ससुरालियों ने देहज में 2 लाख रूपए और पल्सर बाइक न लाने पर प्रताड़ित करने के बाद घर से भी निकाल दिया। इस मामले में विजयपुर थांना पुलिस ने नव विवाहिता के पति, सास, ससुर तथा ननद समेत घर वाले लोगो के खिलाफ देहज एवक की धाराओं में

केस दर्ज कर लिया है।विजयपुर थांना पुलिस ने बताया कि ग्राम मढा निवासी युवती नीलम कुशवाह की शादी गत वर्ष अप्रैल 2025 में मुरैना जिले के रामपुर थांना क्षेत्र स्थित बैरखेडा निवासी लवकुश कुशवाह के साथ हुई थी। शादी के दौरान नव विवाहिता के पति ने अपनी हैसियत के अनुसार देहज भी दिया,लेकिन इसके बाद भी ससुरालीजन नव विवाहिता को देहज

में 2 लाख रूपए और पल्सर बाइक लाने के लिए प्रताडित करने लग गए और फिर उसे घर से भी निकाल दिया। नव विवाहिता ने विजयपुर थांने आकर इस मामले की शिकायत दर्ज कराई तो पुलिस ने पति लवकुश कुशवाह, ससुर अमृतलाल कुशवाह, सास ज्योति कुशवाह निवासी बैरखेडा के खिलाफ देहज एवक के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

खबर संक्षेप

मारपीट की घटनाओं के कई मामले दर्ज

अशोकनगर। जिले के विभिन्न क्षेत्रों में मारपीट की घटनाओं के कई मामले दर्ज किए गये हैं। जिले के ईसागढ़ थाना क्षेत्र के अंतर्गत कोहवास चक्क निवासी अरविंद केवट ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी राकेश आदिवासी ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। जिले के देहात थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम धतुरिया निवासी शीलचन्द्र साहू ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी राधे रजक और हरि रजक ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी।

श्री आनंदपुर मेले में आया युवक लापता
 अशोकनगर। जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत बालमकुमार राजपूत निवासी ग्राम झरूपडी मझीन जिला कांकडा हिमाचल प्रदेश ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि निक्कूम पुत्र कश्मीर सिंह राजपूत उम्र 43 साल आनंदपुर मेले में आया था। 25 जुलाई के बाद से उसका कोई पता नहीं है, वह हर साल मेले में आता था, जो कि बिना बारए कहीं चला गया है, जिस पर से पुलिस ने गुमशुदगी का मामला दर्ज किया है।

जुए के अड़े पर पुलिस की छापामार कार्रवाई
 अशोकनगर। देहात पुलिस ने ग्राम फुटेरा में ताश के पत्तों से जुआ खेलते हुए सुंदर राजपूत, हरिचरण शर्मा, विनोद शर्मा, धर्मेन्द्र शर्मा, शिशुपाल पाल, मनोज केवट, अभिषेक पाल, जयकुमार पटेल को गिरफ्तार किया जिसके पास से पुलिस ने 3 मोबाइल और 9800 रूपए जप्त किए हैं।

हरियाली तीज का उत्सव हर्षोल्लास से मनाया
 अशोकनगर। सर्व ब्राह्मण शक्ति संगठन द्वारा हरियाली तीज उत्सव बड़े हर्षोल्लास के साथ धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ तीज पूजन, पारंपरिक तीज गीतों एवं संगठन की मार्गदर्शिकाओं के सम्मान के साथ हुआ। इस अवसर पर संगठन की मार्गदर्शिकाएं उमा बहन, साधना शर्मा, वंदना कन्हैया, डॉ. रजनी शुक्ला, राखी तिवारी एवं सपना नायक का सम्मान संगठन की अध्यक्ष अंजना दुबे, सचिव वंदना पाराशर तथा कोषाध्यक्ष रीना बुधौलिया द्वारा किया गया। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में संगठन की सदस्य एवं नगर पालिका उपाध्यक्ष रीना मनोज शर्मा का कार्यकारिणी द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। तीज उत्सव के दौरान संगठन की सदस्यों ने समूह नृत्य, नाट्य प्रस्तुति एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों से सभी का मन मोह लिया। इसके साथ ही मनोरंजक खेलों का आयोजन किया गया,जिसमें सभी महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

जर्जर भवन से छात्राओं को दूसरी जगह शिफ्ट करने के निर्देश
 जनजाति हॉस्टल की खुली पोल, नायब तहसीलदार के निरीक्षण में मिलीं खामियां

हरिभूमि न्यूज़
 अशोकनगर

नगर के पंचमनगर कॉलोनी स्थित जनजाति बालिका हॉस्टल में व्यवस्थाओं की पोल खोलती एक तस्वीर सामने आई है। सोमवार शाम लगभग 5 बजे नायब तहसीलदार हिमांशु गुप्ता जब हॉस्टल में औचक निरीक्षण करने पहुंचीं, तो वहां कई अव्यवस्थाएं और खामियां देखने को मिलीं।

निरीक्षण के दौरान स्थिति इतनी खराब पाई गई कि छात्राओं के कमरों में छत पर पंखे तो लगे थे लेकिन वे चालू नहीं थे। वहीं, पानी के लिए मोटर तो लगी थी, लेकिन उसे भरने और सफाई की कोई समुचित व्यवस्था नहीं थी। हॉस्टल की पूरी बिल्डिंग अत्यंत जर्जर और खराब हालत में पाई गई,जिस पर नायब तहसीलदार ने सख्त नाराजगी जताते हुए अधिकारियों को तुरंत मरम्मत कराने और छात्राओं को तत्काल किसी अन्य सुशुक्षित भवन में शिफ्ट करने के कड़े निर्देश दिए।

नाईश, फल-फ्रूट से लेकर वाटर कूलर तक की शिकायतें छात्रावास में रह रही छात्राओं ने नायब तहसीलदार के सामने अपनी समस्याएं रखीं। छात्राओं का आरोप है कि उन्हें मेन्यू के अनुसार मिलने

भगवान भोलेनाथ का किया जलामिषेक, बम-बम भोले के गूंजे जयकारे
 सावन के पहले सोमवार को शहर के शिवालयों में उमड़ी भक्तों की भीड़

हरिभूमि न्यूज़
 अशोकनगर

सावन का पहला सोमवार अशोकनगर शहर में भक्ति भाव से मनाया गया। इस मौके पर शिवालयों में भोलेनाथ का अभिषेक किया गया। शाम की अवधि में शिवालयों में भोलेनाथ का श्रंगार किया गया।

सोमवार को सुबह से ही भोलेनाथ के भक्तों ने अपने प्रभु का अभिषेक किया। शहर के शिवालयों में ओम नमः शिवाय की जयकारा धुन गूँजती रही। शिव भक्तों ने जल से अभिषेक किया तो कई भक्त परिवार जनों के साथ पहुंचे। जहां जल,दूध बेल पत्ती आदि सामग्री से भोलेनाथ का अभिषेक किया गया। सुबह की अवधि में शहर भर के शिवालयों में भोलेनाथ के भक्तों का तांता लगा रहा, मंदिरों पर आकर्षक लाइट की गई और साफ सफाई के साथ-साथ विभिन्न इंतजाम किए गए। इस बार सावन के महीने में 4 सोमवार पड़ रहे हैं यह सावन का पहला सोमवार है। शिव भक्तों ने अभिषेक करने के साथ-साथ प्रभु की आराधना की और आशीर्वाद मांगा।

कहते हैं कि भोलेनाथ शायद भगवानों में ऐसे भगवान है जो जल्दी प्रसन्न हो जाते हैं और अगर उनके लंबे समय तक आराधना की जाए तो भक्तों पर प्रसन्न भी हो जाते है। इसीलिए उन्हें भोलेनाथ कहा जाता है अशोकनगर शहर के सभी शिव मंदिरों में सुबह से ही भक्तों के पहुंचने का तांता लगा रहा। शहर के सरगा बाजार के हनुमान मंदिर में भोलेनाथ जी की भक्ति की और अभिषेक किया। शहर के हजारेश्वर



तीसरे वर्ष निकली श्री चिंता हरण हनुमान जी भक्त मंडल की कांवड़ यात्रा

श्री चिंता हरण हनुमान जी भक्त मंडल द्वारा लगातार तीसरे वर्ष भव्य कांवड़ यात्रा निकाली गई। यात्रा में बड़ी संख्या में शिवभक्त शामिल हुए और भगवान भोलेनाथ के जयघोष के साथ श्रद्धापूर्वक जल लेकर रवाना हुए। पूरे मार्ग पर श्रद्धालुओं में उत्साह और भक्ति का वातावरण बना रहा। यात्रा के संरक्षक मनोज शर्मा उपाध्याय ने बताया कि चिंता हरण हनुमान जी भक्त मंडल के सभी सदस्य इस आयोजन को सफल बनाने के लिए पूरे वर्ष समर्पित भाव से कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि श्री चिंता हरण हनुमान जी मंदिर सभी श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है तथा यहां विराजमान सिद्धेश्वर महादेव की कृपा से क्षेत्र में सुख, शांति और समृद्धि बनी रहती है। उन्होंने बताया कि कांवड़ यात्रा का उद्देश्य सनतान धर्म को सशक्त करना, समाज में समरसता और भाईचारे की भावना को बढ़ावा देना तथा क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना करना है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी यह यात्रा निरंतर निकाली जाती रहेगी, ताकि भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद समस्त क्षेत्रवासियों पर बना रहे और सभी का जीवन सुख, शांति एवं समृद्धि से परिपूर्ण हो।

मंदिर में शिव भक्तों के पहुंचने की शुरुआत सुबह से हो चली थी जो दोपहर तक चलती रही। इसी तरह ब्रह्मगौड़ शिव मंदिर पर भी यही स्थिति भक्तों की देखी गई। तार वाले बालाजी सरकार के मंदिर पर ने भोलेनाथ का अभिषेक किया। आसमानी माता मंदिर पर भी श्रद्धालु भोलेनाथ के लिए दर्शन करने

पहुंचे और अभिषेक किया। शहर में भोलेनाथ के भक्त कई तरह से यह पर्व मनाते हैं कोई एक समय ब्रत करता है तो कोई पूरे समय उपवास करता है कई श्रद्धालु ऐसे हैं जो इन दिनों में चप्पल पहनना भी बंद कर देते हैं। भोलेनाथ के भक्तों को अपने घरों से पत्रों में जल

इको क्लब द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित

अशोकनगर। शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अशोकनगर में प्राचार्य डॉ. रेणु राजेश के संरक्षण एवं इको क्लब प्रभारी डॉ. दीक्षा भट्ट के मार्गदर्शन में इको क्लब द्वारा महाविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, हरित परिसर का निर्माण तथा विद्यार्थियों में प्रकृति के प्रति उत्तरदायित्व की भावना विकसित करना था। कार्यक्रम में महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया तथा उनके संरक्षण का संकल्प लिया। इस अवसर पर मौनिका नामदेव, संजीता अहिरवार, प्रवीण कोशिक एवं महाविद्यालय के विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए सभी से अधिक से अधिक वृक्ष लगाने एवं लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करने का आह्वान किया गया।

भ्रकर और विभिन्न सामग्री को लाते हुए मंदिरों में देखा गया। कई भक्तों ने शिव चालीसा का पाठ किया तो कई जगह शिव पुराण के आयोजन हुए। वहीं अनेक श्रद्धालु उज्जैन में महाकालेश्वर मंदिर पर कई श्रद्धालु ऑकारेश्वर में शिवालय दर्शन करने के लिए गए।



हरिभूमि
 समाचार ही नहीं, विचार भी

सुनहरा मौका, सुनिश्चित उपहार 2026

प्रथम उपहार 1 कार



नियम एवं शर्तें :-
 यह सुनहरा मौका, सुनिश्चित उपहार योजना 1 मई 2026 से 31 दिसम्बर 2026 की अवधि के लिए है।
 हरिभूमि के नये एवं पुराने पाठक इसमें भाग ले सकते हैं।
 महालक्ष्मी झा, में भाग लेने वाले हर प्रतिभागी को एक सुनिश्चित उपहार जीवने का अवसर होगा।
 इस योजना अवधि में हरिभूमि समाचार पत्र में कुल 50 कूपन (35 सामान्य कूपन एवं 15 मास्टर कूपन) प्रकाशित किये जाएंगे।
 योजना में भाग लेने के लिये पाठकों को हरिभूमि में प्रकाशित फार्म पर उपरोक्त अवधि के दौरान समाचार पत्र में प्रकाशित 50 कूपनों में से कुल 30 कूपन (20 सामान्य एवं 10 मास्टर कूपन) धिक्काते होंगे।
 मोटोकॉपी या कट-फटे कूपन व फार्मेट मान्य नहीं होंगे।
 राश्व सरकार एवं केन्द्र सरकार के सभी नियम लागू होंगे।
 सुनहरा मौका सुनिश्चित उपहार योजना के विजेता को आवश्यक के नियम व शर्तें मान्य होंगी।
 हरिभूमि निर्माणिक मंडल का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा।
 किसी प्रकार के विवाद में न्यायालय क्षेत्र रायपुर (छ.ग.) होगा।
 चित्र में दर्शाए गए उपहार वास्तविक उपहार से भिन्न हो सकते हैं।
 हरिभूमि कर्मचारी, एजेंट व उनके परिवार के सदस्य इस योजना के पात्र नहीं हो सकते।

हरिभूमि कार्यालय : मानसरोवर कॉम्प्लेक्स, 4 तल, पीसी 2, भी ब्लॉक, कमलापाल टेल्वे स्टेशन के पास, शिवगंजी नगर, भोपाल

मो. 8770833858, 8349245522

आज ही हरिभूमि की प्रति बुकिंग करावें